R-417

B.P.A. Fourth Semester (ATKT/EX)

Examination, 2019-2020

PARAMPARIK LOK NATYA

Paper - Second

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 42*

Minimum Marks : 14

नोटः सम्पूर्ण प्रश्न पत्र को दो खण्ड में विभक्त किया गया है। जिनमें से **खण्ड - 'अ'** में किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर देना है। प्रत्येक के अंक समान हैं। **खण्ड - 'ब'** में से भी किन्हीं ***पाँच*** पर टिप्पणियाँ लिखना है।

खण्ड-अ

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दें।) **[2×11]**

1. लोक क्या है? लोक के स्वरूप को परिभाषित करते हुए लोक ही जीवन है और जीवन ही लोक है। इस कथन पर अपना मत स्पष्ट कीजिए।

2. लोक साहित्य लोक जीवन का दर्पण है क्या आप इससे सहमत हैं? विभिन्न लोक नाट्य, गीत उस समाज का आईना है। समझाइए।

3. पारंपरिक लोक नाटक से क्या अभिप्राय है? नाटक की लोक उत्पत्ति का आधार व विकास पर प्रकाश डालिए।

4. फोक और लोक में अंतर स्पष्ट कीजिए। लोक नाट्य की विशेषता बताइए।

5. क्षेत्र के अनुरूप उसका लोक भी भिन्न-भिन्न होता है, इस आधार पर लोक का इतिहास बताते हुए लोक का वर्गीकरण कीजिए।

खण्ड-ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न (किन्हीं 4 के उत्तर दीजिए।) **[4×5=20]**

1. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (कोई चार):

(i) नौटंकी

(ii) रास लीला

(iii) बिदेसिया

(iv) माच

(v) स्वांग

(vi) छाऊ

(vii) कुडियाट्टम

◆◆◆